

२
लावलि प्रथमं मूर्तिरि सखालु रगवान् श्री यद्मनृथ्य श्वयस्य ॥ ॐ नमः ॥ यद्मनृथ्य श्वयस्य ॥ ॐ नमः ॥
चक्र हम्बनाय ॥ ७ ॥

ॐ नमः श्रीवज्रसत्ताय ॥ नमः सगुणमधुल ॥ सिधुगयक ॥ लखवलिधुय ॥ तिसर्मधि ॥ कलमगुग ॥ द
 वयुजा ॥ धर्मधुनकाव ॥ चूगुदिधायसर्वदाव ॥ एकद्रवाल मधुलदयकाव ॥ अयं धवलि ॥ विद्यधुनकाव
 शिवागुणमधुल ॥ दनकं विसर्जन ॥ गि
 य ॥ गज ॥ शिवा ॥ भर्क ॥ धोवहन ॥ वा ॥ ॥
 लाग ॥ मधुलधिलाव ॥ स ॥ पूर्याजलित
 नवा ॥ लूदयार्थ ॥ मशव ॥ धजनास ॥ सुखसयदश्य ॥ नायियललाका लूदयाय ॥ निधुयनख लिधुजमे
 स ॥ सुख ॥ सयदश्य ॥ किनु ॥ चूहन ॥ नथगतकाय ॥ येसेयाकथ ॥ नथगतकायिकायला ॥ यवा ॥

मधुलपुवभंकाय ॥ मधुलसदहायकार्ज ॥ वायिनाया ॥ ॥ गुनु ॥ गुनुपधाय ॥ गथमसह लूदयद्वय
 ॥ प्रमथ ॥ सत्यन ॥ तिकायलाय ॥ यस्यामीनिधुवयित्वा ॥ मधुलसदहायकार्ज ॥ धरुनधासी आसिया
 ॥ शिवा ॥ सावना ॥ स्वभाविन ॥ मूर्खनयव ॥ ध्वजातिगत्या ॥ युक्तयद्रक्तान् ॥ रुद्धीकिना ॥ पाद
 धर्मसामया ॥ क्लीन ॥ लखसधाद ॥ मकनादिरयानकान् ॥ मकनादिया ॥ नयर्थ ॥ रुवाध ॥ यक ॥
 धर्मसाम ॥ समुदयाकन ॥ वृद्धकी ॥ ली ॥ ॥ थकायिव ॥ चून ॥ म ॥ भास्मासदान ॥ ज ॥ भास्मिसुधुना ॥

सहजानन्दसुत्रयः ॥ ॐ स्वा मि ॥ जययाज्ञव ॥ महानाथ ॥ गवथाकूचस्र ॥ महाबाधि ॥ गव
 जा गान ॥ ॥ नैर्य दृष्ट ॥ नीतिन दधन ॥ दहिम ॥ विठन जमिह ॥ समय गत ॥ धर्मया नत्व ॥
 बाधि चिरु ॥ दहिम ॥ गथागगया वि ॥ विठन ॥ वृद्ध धर्म ॥ वसद्येव दहिम ॥ वृद्ध धर्म
 सीध धानि ॥ शिगनल जमिह ॥ विठन ॥ गवज गुर्य ॥ युवगयस्र ॥ इतयठन ॥ मा ना ॥
 थ ॥ जयनि ॥ शाभकूच स ॥ महाभा ॥ कयूव नमिति ॥ महाभा कयूचस ॥ ० ॥ गदन
 शिवाभक युधानीकृत्य ॥ ॥ नहि वल ॥ शक्ति शिवा ॥ महायान ॥ वक्र सम्वनया धायसः
 ॥ मनुचयोनय विधि ॥ मनु चननय ॥ नित्य विधानयाय ॥ दगयिष्यामि ॥ जनदसनय ॥ न ॥

युग ॥ सम्यक ॥ समस्तयकाजन ॥ राजनस्र ॥ धर्मया धलकूच ॥ महानयः ॥ महानित्यन ॥
 वृद्धाः ॥ गथागगदाका ॥ श्रियधर्मीरुगा ॥ स्वयूचस्र ॥ जयनयन ॥ कायवाक ॥ चिरु वक्ति ॥
 कयाच कथ नूयउ ॥ सहनस्रचयन ॥ ॥ सियाफा ॥ नम ॥ तुल ॥ ताड लामद्रुहान ॥ वक्र मनु
 युशावने ॥ अकूच मनुयुशावन ॥ म ॥ नुयथाग ॥ मनुयायथाग ॥ मडल ॥ डच धूचम
 मदा ॥ यन ॥ रुग ॥ मदावल ॥ गवन मी ॥ न भावकच ॥ गवगववलवन ॥ मानसैर्य ॥ मानया
 सीन ॥ महाधाली ॥ गवगयकच ॥ भाकू सिहादि शिवेः ॥ भाकू मुनिज्जादिन वृद्ध दाका ॥ लाकानू
 वृत्ता सागमा ॥ लाकवलेनया यिव ॥ विठ ॥ चक्रयव कूचनितृत्ता ॥ वक्र हाव (थ) वरुचयव ॥ अथ

[illegible]

भा. ल. भी. का. १. यु. झ. उ. रु. म. २. उ. रु. म. यु. झ. ३. आ. वा. य. स्या. म्य. दं. ना. र्थं ४. अ. आ. वा. र्थ. श. य. ला. भ. कृ. न. ५. स. र्व.
 स. त्वा. र्थ. वा. न. ल. ग. ६. स. म. स. स. त्वा. य. कृ. ग. ल. या. य. या. क. न. ७. ए. ग. भा. वा. धि. वि. वि. ला. द. न. ८. ए. थ. न.
 न. वा. ग. न. चि. ल. जा. न. र्थ. ९. स. म. न्वा. द. न. न. १०. मां ११. न. क. म. न. या. द. १२. द. ना. द. १३. जि. य. नि. १४. स. र्व. वृ. ह. वा. धि.
 स. त्वा. न. १५. स. म. स. वृ. ह. वा. धि. स. त्वा. दा. का. १६. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. १७. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का.
 १८. मां. व. ला. मृ. या. दा. य. १९. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २०. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २१. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का.
 २२. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २३. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २४. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २५. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का.
 २६. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २७. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २८. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. २९. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का. ३०. ए. थ. य. स. त्वा. दा. का.

महायानां ब्रह्मचर्याचार्यसंकाशे कृतनिश्चयशास्त्रे नमो निश्चययाग विविधं गालगिद्यावा
 स्वगविधिं गिनगिद्या कृगली धर्मसंगर्हसत्त्वानां व. क्रियागालं युनिगृक्रामि. हं. हर्हं
 ब्रह्म धर्मव. सद्य. व. गिनत्ताय मनू
 गर्ज. कर्ज घर्ज. व. मूर्डीय युनिगृक्रा
 कृताञ्जय. व. उदानी. युदास्यामि. व.
 य. व. मनाञ्जय. सधर्मपूयुनिगृक्रामि. वाक्. गुक् क्रियानिर्क. महायज्ञकल. शुद्ध महा
 वाधि. समुद्रव. सवर्ग. सर्वसंयुक्तपूयुनिगृक्रामि. सर्वतपूयुजाकर्म यथाशक्ता महाक

रुनी जूया. लुग. कोविं व्यामि. सीवन. ब्रह्म था
मि. तत्त्व नष्टा आचार्य. च. गृही व्यामि. महावज्र
कुला. उ. दिन दिन. ए महावत्त कुल. था. ल. सम

मोक्षलाभय । उत्थादयामि । ऊनजायवययक । यवर्म । मृत्तुकर्म । वाधिविरु । समुद्रव । ग
 धगनयात्रिरु । उत्थाहियाय । गृहिर्न । सम्वर्न । कृत्स्न । काय । धर्म । लक्ष्मणयक । सर्वसत्त्वार्थका
 वक्षन् । समस्त सत्त्वार्थ । अर्थयोकन । अंगीर्ष । नननय । महौवर्क । गोत्रयिष्यामि ।
 नववयनाग । अमूका । मुक्तिमश्व । भावयाम्यह । मुक्तियानग । ऊन । अूनखला
 न् । आश्वासमधेय । आसयिष्यामि । आशस । विनाग । सर्वसत्त्वान् । समस्त सत्त्व
 दोका । ह्यययिष्यामि । धयना । यागग । निवृत्ता । जायवयममानक । शिक्ष । अनका
 । उँखणुनाह । रुट् । रावना । नवीरुल्लु । सिवजययकायचि । स्वयंस्वयं । वीडकानि । स्व

अंगीक्षुः । न न न य म हौ व र्क ॥ मा न यि श्या मि ॥
 ॥ मा न य्या म्य ह ॥ मू क्ति या न ग ॥ अ न ॥ अ न स ख स्ता
 ॥ आ श स वि द्या ग ॥ स व स त्वा न् ॥ स म स ॥ स त्व
 वृ ना ॥ जा य न य म मा न र्क ॥ शि क्ष ॥ ॥ न र्क
 सि व रु य द्र य का य नि ॥ सूर्य सूर्य ॥ वी ड म्हा नि ॥ स

विद्वत्त्वा दनादिनिधनं ह्यत्र ह्यमहावज्रसमयसत्त्वा ॥ कात्यायनाय सिद्धिमा ॥ सर्वार्थमहासिद्धि माहे
 श्वर्यादिदेवतं ह्यसर्ववज्रधनाया सिद्धिमयं नमो नमः ॥ निर्दोषं ह्यमश्वनयसि सर्ववज्रानुवागि
 ना ॥ गन्तव्यं न सिद्धिमा रगवन् महावा ॥ ग ॥ महावज्रः ॥ अत्यन्तं शुद्धधर्माय आदिमूकसूक्तं
 गन्तव्यं समन्तरुड सर्वार्त्ता वाधिसत्त्व ॥ य ॥ सिद्धिमा ॥ सर्वार्थममहासिद्धि माहे श्वर्यागमुड
 या ॥ सिद्धवज्रमहावज्रयोगं वज्रगर्भाय ॥ म ॥ सत्त्वसत्त्वमनायायी सर्वसत्त्वहृदिष्ठिगश
 सर्वसत्त्वविनाशेव कामा ॥ समयायिनी ॥ यनसत्त्वनसत्त्वनी यहायायत्तमगुल ॥ ननसत्त्वनम
 नाथ ॥ कामार्त्तं यत्रियूनय ॥ ॥ क्रसकनकन ॥ यनिविन्दसमाधर्मा ॥ अद्वागुदा कनाविला

१

१

२ धनमन्त्रकन

२ स्थानमन्त्र धनलिप्तं यन् २

अथाज्ञानरिभायाश्च दंडकर्मसमूहवार्त्तमथगतत्वनिर्योना ॥ निसत्त्वानमगुली ॥ यनिविर्वमूठमि
 र्वा सर्वयशस्वकल्मषाहामनदवकहाव अचार्यनसाय ॥ ॥ निसत्त्वानमगुली ॥ यनिविर्वमूठमि
 व ॥ गिभुतगुन्मगुलदनक ॥ वलिविस ॥ जन ॥ सावना ॥ स्थाननद्ववर्क ॥ गिर्वावैवावन
 नूधेनावलीवा ॥ इवउवाहामनुग ॥ सर्वली ॥ यनदाय ॥ हत्कगुगिनसू वकायमे वकासूर्यवश
 यवि कृषुर्क ॥ वका ॥ अशुर्वाकाववगि ॥ यहासवमनिवर्क ॥ आया नीजअन ॥ गिकायाः
 धिस्तन ॥ लाहागिनका ॥ यवगर्वा विय वसुलाय ॥ गुन्मक ॥ अर्धयाय ॥ शास लूढारुल दाम
 कनादिन ॥ गुन्मगुलवासी ॥ गुन्मदहनय ॥ गमय ॥ गमल सकलसु वियक ॥ मागम सिधुयक ॥

तगवान्ती ॥ इवकसमन्तदानस्य चउधरिधवाला राय निमित्ताथने
 गुभावनपामलाय अर्धयनिहत्वादा ॥ २

२

ॐ वज्राधीय है ॥ गिरि वदन न कायाय ॥ ॐ वज्र वधवन मानथ है ॥ मित्रासवचक ॥ स्थान, लयदा
 ० जाउययकी ॥ खलु बाहू है ॥ ॐ आ ४ खीन है ॥ वयथ हाव थवक, हायकी, इगल यने ॥ जमनि
 कास युनन यय ॥ क. स्त. ॥ य. य. गु ॥ शास्त्रन धिय ॥ शास्त्रि सहजान नृस, लय
 सने ॥ गिरि न धायक ॥ सुरु (ग. १६) ॥ कल्यानन वीगर्क ॥ महासुख. नि ॥ सहजान नृः
 धर्मस ॥ भाउस वजनन थाय ॥ ॐ वज्र ॥ थाग विरु मूल्या दयामि ॥ ॥ समला, थ. ना
 सुयाव, वजन, लुगाउ सठिय ॥ ॐ सुवक समय स्त्री ४ सिद्धा वज्र यथा सुखमिति ॥ ७०० ॥ अ. य. ल
 ॥ आव. वृ ॥ सर्वे न थागमा ॥ समस्त न थागन ॥ धिक्कि न, रुविष्ठासि ॥ अधिष्ठान या क शयू ॥ न

ॐ वज्राधीय है ॥ गिरि वदन न कायाय ॥ ॐ वज्र वधवन मानथ है ॥ मित्रासवचक ॥ स्थान, लयदा
 ० जाउययकी ॥ खलु बाहू है ॥ ॐ आ ४ खीन है ॥ वयथ हाव थवक, हायकी, इगल यने ॥ जमनि
 कास युनन यय ॥ क. स्त. ॥ य. य. गु ॥ शास्त्रन धिय ॥ शास्त्रि सहजान नृस, लय
 सने ॥ गिरि न धायक ॥ सुरु (ग. १६) ॥ कल्यानन वीगर्क ॥ महासुख. नि ॥ सहजान नृः
 धर्मस ॥ भाउस वजनन थाय ॥ ॐ वज्र ॥ थाग विरु मूल्या दयामि ॥ ॥ समला, थ. ना
 सुयाव, वजन, लुगाउ सठिय ॥ ॐ सुवक समय स्त्री ४ सिद्धा वज्र यथा सुखमिति ॥ ७०० ॥ अ. य. ल
 ॥ आव. वृ ॥ सर्वे न थागमा ॥ समस्त न थागन ॥ धिक्कि न, रुविष्ठासि ॥ अधिष्ठान या क शयू ॥ न

यसु ॥ आत्मानं नियामयामि ॥ धमआत्मा दाहयया ॥ उँ सर्वनथागन ॥ समस्तनथागन ॥ वज्रवेवाव
नाधिनिसुमी ॥ वेवावनसी अविस्मनयाकथन ॥ दक्षिण ॥ उँ सर्वनथागन ॥ यूजाअलिखयायसु ॥ आत्मानं निया
नयामि ॥ सर्वनथागन ॥ समस्तनथागन ॥ वज्रवेवाव ॥ दक्षिणयावत्तसंरुवसी अः
लिखक याकथन ॥ यश्चिम ॥ उँ सर्वन  थागन ॥ मय्यादाव समस्तनथागनस ॥ यूजायव
रुनाय ॥ यूजावरुययक ॥ आत्मानं निया
जधर्मकू नूयवरुयमी ॥ समस्तनथागन यश्चिमया अमिनारुसी धर्मवरुन ययकी यसनथन ॥ उ
रुनया ॥ उँ सर्वनथागन ॥ मय्यादाव समस्तनथागन ॥ यूजाकर्म ॥ यूजाकर्मयायसु ॥ आत्मानं

नियामयामि ॥ धमगविउदाहरण ॥ उँ सर्वनथागन ॥ समस्तनथागन ॥ कर्मकू नूयमी ॥ अमायः
सिद्धिस्थी कर्मयाकथन ॥ ॥ यूर्वेवाव ॥ उँ गुवचनययसुनाय ॥ मय्यादाव गुवचनः
उस याउउयसुनयायसु ॥ आत्मानं नियामयामि ॥ धमगविउदाहरण ॥ सर्वसवय
विगोवार्थ ॥ समस्तनथागन ययय अर्थ  न ॥ आत्मानं नियामयामि ॥ धमगविउदाहरणः
यश्चिमनाम ॥ ॥ अद्यत्वे ॥ आवः ॥ ॥ सर्वनथागन कूल ॥ समस्तनथागनया कूलसः
॥ यविष्ट ॥ इहानन ॥ नदः हः क ॥ धननधुन जन ॥ वज्ररुन मूल्यादयामि ॥ अययरुन जायन
ययका ॥ यनः रुनः सी ॥ यनरुनन रुन ॥ सर्वनथागन ॥ समस्तनथागन ॥ सिद्धि न ॥ सिद्धिनि
नधि

निश्चयन ॥ यावत्सि ॥ क्लृप्तलायु ॥ किं मुना सिद्धयः ॥ इत्युक्तं मुनिमसिद्धिदाका ॥ न च लयः ॥
॥ मष्टव ज्ञायथ खचुन ॥ अष्टमस्तस्य ॥ मष्टमस्तस्य ॥ यूनमावकृषी ॥ ज्ञाय ॥ मा
॥ न समथा ॥ यथेति ॥ निखद क्लृप्तम
अयं न समयवर्ज ॥ अभा धुमाउस स
संभावकिव ॥ यदि ॥ थर्वनस ॥ लं मि
नसा ॥ ॥ लुग्यउसवजनथिय ॥ वजसली स्वयं न ॥ इय ॥ वजसलं तथागतं ॥ वृत्तं आव ॥ इ
दयं समवस्थितं ॥ लुग्यउस वसवर्धनान ॥ निरिथ ॥ नउहायाव लुग्यउ ॥ गन् कृषी यायान ॥

न नानं भावकहनं ॥ यदि वृयात् ॥ गवजसः कायुक्तन ॥ दिनी नर्म ॥ थनिभ्ययख ॥ * ॥ कावया
ग ॥ वाज वाजयाथ सुकुसनाक ॥ र्दं न ॥ अभा दूमुम ॥ नाजिकावावि ॥ ननकाया लीख भ ॥
समयाजि कमा दहन् ॥ धर्मलालया गसा अभावायु ॥ समर्थ सिलक्ष्ण ॥ धर्मवानख
नयायाकन ॥ सिद्धि ॥ सिद्धि अमृत इने ॥ यिद्य ॥ मोहन ॥ वजा मृगादक ॥ अरु
य अमृतलीख ॥ उँवजामृगादक ० है ॥ घनहुतक ॥ * ॥ अयः पुरुनि रुवा ई ॥
आव गुपू आदिन चुन ॥ जियनि ॥ वज्यालि ॥ वज्यानिनथागतध्व ॥ र्यद ई न वृयात् ॥ गवन
ऊ चुर्न झाया ॥ र्मी कनुन ॥ धमाथु यादून ॥ लया करुवी ॥ चूनयाय ॥ न वेस्विया

१२

॥ ई ॥ ममवः वृनः ५ ॥ मवमनः आः माः नः ॥ अरिमानयायः ५ ॥ यागसावः ॥ विषमायविहायः ॥
 ॥ सयकवः नवघात्रः ॥ कालक्रियाकृत्वा ॥ सिंहावः ५ ॥ मत्तमावः ५ ॥ नवकयननस्यावः ॥
 मदानवकसः यउवयिवः थननः अरि ॥ मानयायमनवः गुनः ववोयउयाध्या ॥ ॥
 ॥ निसमथादकदानविधिः ॥ ॥ ॥ सावना ॥ ननः ५ ॥ म्निवविहायः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 नूशिषीः ५ ॥ टिकिशूनाताननः ५ ॥ आः ५ ॥ नजामिनाः ५ ॥ ननः ५ ॥ निष्यायः ५ ॥ सर्वेनः ५ ॥ गतः ५ ॥ अधिष्ठः ५ ॥
 नाः ५ ॥ सत्वमः ५ ॥ विगलितः ५ ॥ वावयित्वा ५ ॥ ननः ५ ॥ लिजानः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 यः ५ ॥ नीलहंकारः ५ ॥ गिरसिवरुवः ५ ॥ गुणवउलः ५ ॥ कलमः ५ ॥ वावः ५ ॥ मलुलायविः ५ ॥ वः ५ ॥ गुणः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥

११

यकावजः वल्लयठकद्वयाः क नीलामिलमलुलः वः ५ ॥ नकः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 वाक्कायवजानानीयः ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 वयवितनः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 मिषाः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 सुगवीवध्यायानः ॥ ॥ धूयः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 लयः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥
 मविधिः ५ ॥ ॥ मटनः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥ ननः ५ ॥

१२
 युष्टि^२ वगु^३ अरिवाच^४ मानसि^३ द्विलक्षयम् ॥ ॥ मलुलहायक ॥ ॥ ॐ ह्ययं मलुलहायक मयाभि
 श्रयुवगिना । यथायुनीनयेवासु दवगानीक लक्षम ॥ यादृक्किद्विरवक्तु स्या ॥ गगुयसिंश्रुताजन
 । यादृकयुनानूलावस्थान नादगस्यामु
 लालस्वान हाथजाययकं जानक ॥ ॐ
 मयुयवृक्षं रुद्ररुद्रहा ॥ आरववीनय
 नीवृक्षं ॥ दाहाननयक ॥ ॥ नितामिवास्याद्वयं श्रियति ॥ ललाटवर्णं नगद्वयसहालाडेद्वय
 विनाय ॥ वरुसत्त्वस्वयं न श्रु वक्तु स्याद नगत्वं ॥ ॐ द्यादयतिवजाका वरुवक्तुनरुन ॥ ॐ हनव
 विजन

१३
 कृष्णसारा ॥ श्रीधवटकार्कय ॥ युष्टयागनस ॥ युजायाचक दक्षिण सुनि ॥ ॥ अरुगमभाना
 दिखकन ॥ ॐ द ॥ थ ॥ गनगुली ॥ थमगुल ॥ यगु ॥ साहन ॥ अद्यावतगन ॥ रुकिवगयाहन ॥ सी
 युनि । स्त्रीव ॥ आव ॥ वृद्धकलना ॥ व
 नुमुजाल अधिस्तनशन ॥ सीयदा ॥ ॐ
 मयायुगरुविश्रुति ॥ धर्मया युजमलि
 मनाहन ॥ मीरुयानाधनकव ॥ थमनु सीखसा आवाधनायाहन ॥ ॐ गगनआदिन मलुलया
 श्वकन ॥ स्वान दवस गिलसशकाल उरुमसिद्धि ॥ वा र्कस शनसा मधुमसिद्धि ॥ यादस

इहसा अधर्मसिद्धि दवदाकाया मधु बहुदिग जकिनादि यत्रियातिन इहसा अशुभादि
कूल यवनकाइन विहानसा इडसिद्धि वाक् वजावलिन विहाकाल स्व ईतयक विहाः
काल सिद्धिमदा अध्ययन कामका
लसाय दिनाकायमदाशुभा ॥

शूलखानविय ॥ ॥ ॐ हयथवा

शुद्धि मदीययिई जिनसि मालाजिथक ॥

६६ ॥ योगमंजुल महामंजुलदगिमा ६६ ॥



सी इसथाठसन मीगमात्रकठाव यिलुय मीठ

युनिष्टकत्वमिर्मवत्स महावलनि ॥ मदा चर्क दा

गायलक्षिक मधगन सखावगिषासु युद्धनियवि

॥ गिषात धायक ॥ वज्रमंजुल महामंजुलदगिमा ६६ ॥

॥ ६६ ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ नानाकथा ॥ जिनसि मालाजिथक ॥ ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥ ॐ हयथवा ॥

मार्गेन निर्गत्य न इवे देवीयम मुखेन युवमिर्न गिर्यंजिति शुभ्यगानननं हं वज्रजामद्विउउ ॥ सयसुशा
 ल्यस्य शर्व आसीव नवयुयसुन सत्वा रिनी अरिषिथि ॥ युनंउउ मुखादिसृष्टि ॥ यमानि सृत्य गगनमायु
 येष्टि ॥ लावनादिविद्यासदिगे ॥ कुणधः ॥ उयटाकावमुवादिउ गीतनृत्ययुष्टि कूकमादिउ
 १४ ॥ १४ ॥ हिरि ॥ कलकि शलयावजिगवाधिविः ॥ लामृनयुगुमिगकल ॥ रूगिष्यं यमानि सृनम
 रिषिथि मालं यागिनी गदगी यमालं म गलगीर्न ॥ अरिषिक ॥ यत्नगलं सकल सत्वा हदिष्टि
 नस्य सर्वोत्तमकस्य वनसर्वकलाधियस्य ॥ नि ॥ शवसत्वाजनकस्य महासुखस्य गती गलीनवउम युवः
 नाशिषिक ॥ ॥ यद्यज्ञाननथन ॥ हंउहं काना धिष्ठित वज्रजामाशाली हदीजनभ्यानीर्न सनः

सत्वेकीरुर्न दृष्टासीयुय ॥ उंमदासुखवज्रसत्वा रिषिकन त्वा मरिषिथि मि सर्वेनथागनाधियस्य नदः
 शरव ॥ ॥ गखलस्य वनं गनदलनदाय ॥ अरिषिकं मदावर्जं ॥ उंमदुर्न मदुर्न ॥ ददामि सर्ववुद्धानी
 निगुष्कालयसंवेद ॥ उंआ ॥ वजा दका रिषिचसुनगलुमर्द ॥ यं लामु ॥ उदका रिषिक ॥
 नानाशवसमृदीय ॥ कल्या नावयवजिग ॥ ॥ दृष्टमयमिशासन कुमाया दयेलजद ॥ आदर्ग
 हन अशुभस्य ॥ अविद्यामनस्थालन थागनाधनाय शलिलारिषिक ॥ २ ॥ अशुभ
 ॥ ॥ याधिवजन स्यादि ॥ शवना ॥ णिषा आकावर्जं वलसीरुव ॥ युधिनी हन सत्वेकीरुर्न नरुमृग
 थागतकूलेन रिषिचमालं ॥ वृयवजादिरि वृयनीय मानी मीगलीगीन शवथन ॥ मकूठनयायक ॥ अरि

क्षात्र वज्र द्यौः अ० ॥ गृहीतासिमया रुगवत् मयि सन्निदिभा रुव ॥ द्यौः विद्य ॥ शीतलं रुव ॥ डं वज्र द्यौः
 लिखितं सूत्रं श्रीमदं ॥ अनृत्यं नमः धर्माध्यासं स्काव नदि मयूच ॥ नवद्वि नववृद्धत्वं न सत्त्वा न वज्रानि
 ॥ दृष्ट्या नूच्या न ह्यन अर्माद्यसिद्ध ॥ नि वृद्धव शून्या माकवृत्ता लिखितं स्नादया धियध्व ध
 भादया वाधियिद्धं धर्मादया सूत्रकी ॥ १ ॥ अर्माद्यसिद्ध ॥ २ ॥ अध्यास ॥ वाधिवज्रत्वा
 दि ॥ ३ ॥ शिव ॥ गिर्यं डं का वात्यनवक ॥ ४ ॥ सैद्धर्गं वैशावनचूर्य ह्यन सत्त्वा लिखितं विराद्य ॥ वज्र द्य
 ० कया लस मयकी म ॥ अलिखितं महा वज्रं त्यादि ॥ ५ ॥ डं वज्र सत्त्वात्ताम लिखितं विरामि वज्रनामा
 लिखितं ॥ ६ ॥ दशा अमूक वज्रनाम गथा गमही रुद्धं व ॥ ७ ॥ यद्यप्यागतनया अनूच्य नामा लिखितं
 यतनं नवक ॥ ८ ॥